स्पाइस मनी माइक्रो-एटीएम से ग्रामीण भारत की बैंकिंग को सुलभ बनाने का प्रयास

संजीव कुमार

जब हम कोविड-19 महामारी की पहली लहर की चपेट में आए, तब भी हम बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं समेत विभिन्न आर्थिक गतिविधियों और डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाने और उसके मुताबिक खुद को ढालने को लेकर संघर्ष कर रहे थे। हालांकि, इस मामले में शहरी आबादी ज्यादा बेहतर स्थिति में थी लेकिन भारत के ग्रामीण समुदायों को अपनी आजीविका बनाए रखने और यहां तक कि बुनियादी गतिविधियों को पूरा करने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कोविड-19 महामारी के बाद भारत में आर्थिक सुस्ती का दौर आया और इस वजह से वर्ष 2014 के बाद जो व्यापक स्तर पर डिजिटलीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई थी, उसमें और अधिक तेजी देखने को मिली।

इस महामारी में, एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो गई कि ग्रामीण भारत पहले भी नकदी से चलने वाली अर्थव्यवस्था थी और आगे भी यह ऐसी बनी रहेगी। इसलिए फिनटेक कंपनियों को ग्रामीण भारत में नकद निकासी सेवाओं जैसी बुनियादी बैंकिंग सेवाओं की आवश्यकता को पूरा करने की जरूरत पर ध्यान देना होगा। ग्रामीण भारत में नकदी के लेन-देन का प्राथमिक माध्यम होने की वजह से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चालू रखने के लिए नकदी का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित करना आवश्यक है। एभारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से उन कुछ देशों में से एक है जहां एटीएम की सीमित पहुंच है। भारत में लगभग 650,00 गांव हैं, लेकिन 10 गांवों के लिए केवल एक एटीएम की उपलब्धता है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत में 2019 तक प्रति 100,000 वयस्कों पर 20.95 एटीएम थे, जो अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। भारतीय आबादी का 65त से अधिक ग्रामीण भारत में रहता है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कुल एटीएम की संख्या का मात्र 20 फीसदी ही उपलब्ध हैं। आम तौर पर किसी भी एटीएम से रोजाना 80-100 लेन-देन की संख्या किसी बैंक की तरफ से एटीएम का संचालन करने के लिए व्यावहारिक स्थिति होती है और ऐसा नहीं होने की स्थिति में बैंक को उन इलाकों में भी संचालन से कोई लाभ नहीं मिलता है, जहां अभी तक व्यापार की कोई ज्यादा उम्मीद नजर नहीं आती है।

इन बाधाओं के कारण, अनुसूचित बैंकों और स्वतंत्र एटीएम ऑपरेटरों, जिन्हें व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटरों के रूप में भी जाना जाता है, ने अभी तक देश के दूरस्थ और संपर्क से कटे हिस्सों में अपने एटीएम नेटवर्क का विस्तार नहीं किया है और इस वजह से इन इलाकों के लोग बुनियादी नकद निकासी सेवाओं का लाभ लेने में असमर्थ हैं। स्पाइस मनी आक्रामक रूप से भारत का सबसे बड़ा एटीएम नेटवर्क बनाने की दिशा में काम कर रहा है। ग्रामीण भारत में रहने वाले लोगों की एटीएम तक आसान पहुंच चुनौतीपूर्ण रही है और यह समस्या लॉकडाउन की वजह से लगे

प्रतिबंधों के दौरान और भी ज्यादा विकराल रूप में हमारे सामने आई। वर्तमान में स्पाइस मनी के पास भारत के आर्थिक रूप से वंचित और कम सेवा वाले क्षेत्रों में 85,000 से अधिक ऐक्टीवेटेड माइक्रो-एटीएम का नेटवर्क है, जिसमें 5 लाख से अधिक अधिकारियों की मौजूदगी है।

ये एटीएम वर्तमान में 18,500 से अधिक पिन कोड क्षेत्रों में मौजूद हैं, जो भारत के 95त ग्रामीण पिन कोड (7500 में से 7200) को कवर करते हैं और हमारी योजना इसे 100त करने की है। स्पाइस मनी मिनी-एटीएम के साथ हम स्पाइस मनी अधिकारियों के माध्यम से सेवाओं में कैश आउट कैश की पेशकश करने के लिए एटीएम नेटवर्क के तहत और अधिक पिन कोड क्षेत्रों को शामिल कर रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से नकदी से संचालित होती है, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए नकदी तक पहुंच को बनाए रखना आवश्यक है ताकि ग्रामीण व्यवसाय अपने परिचालन को निर्बाध रूप से जारी रख सकें। स्पाइस मनी ने पहली बार हिमाचल प्रदेश में भारत के आखिरी बसे हुए गांव चितकुल में भी अपनी एटीएम सेवाओं का विस्तार किया है। इस गांव में अब तक एटीएम की सुविधा नहीं थी और सबसे पास स्थित एटीएम निकटतम गांव से करीब 25 किमी की दूरी पर स्थित था। हमने अब चितकुल में स्पाइस मनी मिनी-एटीएम सेवाओं की शुरुआत की है। साथ ही हमने निवासियों और पर्यटकों को कैश-इन कैश-आउट सेवाएं प्रदान करने के लिए गांव के केवल दो किराना स्टोर्स में से एक को स्पाइस मनी डिजिटल दुकान में बदल दिया है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने के अपने सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ऐसे में माइक्रो-एटीएम हमारे समाज के कमजोर वर्गों को जोड़कर गरीबी को कम करने और बुनियादी बैंकिंग कार्यों की पहुंच में तेजी लाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत में बैंक रहित आबादी में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी महिलाओं की है। भले ही ग्लोबल फिनडेक्स डेटाबेस 2017 के अनुसार, भारत की 80त आबादी बैंक के दायरे में है, फिर भी देश की विशालता और बड़ी संख्या में बिना बैंकिंग पहुंच वाली आबादी को देखते हुए वित्तीय पहुंच का विस्तार एक लंबी चलने वाली प्रक्रिया होगी। हालांकि, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बीच उचित सहयोग और समन्वय के माध्यम से एवं प्रभावी टेक्नोलॉजीज और समाधानों को नियोजित कर हम भारत और इंडिया के बीच एक सेतु का निर्माण जारी रखेंगे। भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में वर्तमान में चल रहे कई डिजिटल बदलाव विशेष रूप से कोविड-19 महामारी से प्रेरित हैं और इनमें पारिस्थितिकी तंत्र को सकारात्मक रूप से बदलने की क्षमता है। एक मजबूत माइक्रो-एटीएम नेटवर्क विकसित करना केवल एक विस्तारित यात्रा की शुरुआत है जो कठिन लेकिन फायदेमंद होगी, और आखिरकार इस देश के लिए हर कोने में आवश्यक बैंकिंग सेवाओं की आसान उपलब्धता को बढ़ावा देगी। स्पाइस मनी डिजिटल और आर्थिक रूप से मजबूत भारत बनाने और ग्रामीण भारत को सशक्त बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।